an>

Title: Regarding drinking water crisis in Aurangabad Constituency of Bihar.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद) : अध्यक्ष महोदया, देश के बड़े हिस्से में पीने का पानी का संकट उत्पन्न हो गया है। इसका कारण अल्पवृÂिष्ट है, दूसरा सरफेस वाटर का सही उपयोग न होना और तीसरा, कहीं-कहीं बड़ी मात्रा में कारखानों-फैक्टिरयों द्वारा भूगर्भ जल का दोहन।

माननीय अध्यक्ष : वास्तव में इन दोनों इश्यू पर चर्चा होनी है इसलिए आप अपनी बात थोड़े में रखें।

श्री सुशील कुमार सिंह : अध्यक्ष महोदया, अभी गर्मी के मौसम में बिहार के करीब 20-25 जिलों में पीने का पानी का संकट हो गया है और देश में तो है ही लेकिन इसके लिए कोई दीर्घकालिक योजना नहीं बनाई गई है, सरकार कोई कानून बनाकर बारिश नहीं करा सकती लेकिन जो पानी उपलब्ध है उसका सदुपयोग कर सकती है। बिहार में गंगा और सोन नदी है इसके जल के आसपास के जिलों में ले जाया जाए, औरंगाबाद और गया पठारी जिला है, वहां पीने का पानी का ऐसा संकट हुआ है कि त्राहि-त्राहि मची हुई है। इस बारे में अखबारों में आए दिन खबरें छप रही हैं। औरंगाबाद सीमा क्षेत्र में एक बड़ी सीमेंट फैक्ट्री लगाई गई है जिससे भारी मात्रा में जल का दोहन हो रहा है और हमारे शहर में पानी का संकट हो गया है। आपके माध्यम से भारत सरकार से कहना चाहता हूं कि इस समस्या को राज्य सरकार के भरोसे न छोड़कर केन्द्र सरकार इसका संज्ञान ले और पीने का पानी के संकट के समाधान की दिशा में दीर्घकालिक और ठोस योजना तैयार करके कार्रवाई करें।

माननीय अध्यक्ष :

श्री कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल और

श्री सुधीर गुप्ता को श्री सुशील कुमार सिंह द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

आप भी उसी विÂषय पर बोल रहे हैं थोड़े में बोलिए, इस पर विस्तृत चर्चा होने वाली है।